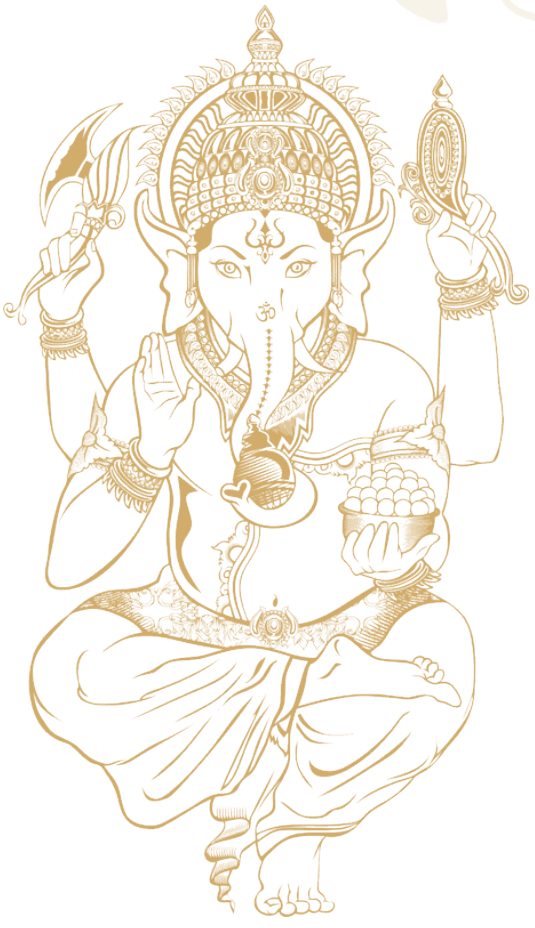

Mr.B. Mundra

Ms.Ria

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119375104

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/02/1995	जन्म तिथि	07/07/1994
मंगलवार	दिन	गुरुवार
घंटे 07:40:00	जन्म समय	16:15:00 घंटे
घटी 03:23:10	जन्म समय(घटी)	28:35:52 घटी
India	देश	India
Siliguri	स्थान	Purnea
26:42:00 उत्तर	अक्षांश	25:47:00 उत्तर
88:26:00 पूर्व	रेखांश	87:31:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:23:44	स्थानिक संस्कार	00:20:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:18:43	सूर्योदय	04:54:18
17:22:20	सूर्यास्त	18:35:01
23:47:32	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:04

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 11वर्ष 2मा 19दि	19:09:28	कुंभ	लग्न	वृश्चि	20:00:45	मंगल 1वर्ष 2मा 12दि
मंगल	24:02:10	मक	सूर्य	मिथु	21:18:44	गुरु
28/04/2022	19:11:11	मेष	चंद्र	मिथु	04:22:49	18/09/2013
28/04/2029	01:06:08	सिंह व	मंगल	वृष	08:42:13	18/09/2029
मंगल 24/09/2022	17:07:32	मक व	बुध	मिथु	05:39:01	गुरु 06/11/2015
राहु 13/10/2023	17:27:22	वृश्चि	गुरु	तुला	11:01:34	शनि 20/05/2018
गुरु 18/09/2024	08:44:00	धनु	शुक्र	सिंह	01:52:00	बुध 25/08/2020
शनि 27/10/2025	17:58:08	कुंभ	शनि व	कुंभ	18:27:04	केतु 31/07/2021
बुध 25/10/2026	15:33:39	तुला	राहु व	तुला	28:56:05	शुक्र 31/03/2024
केतु 23/03/2027	15:33:39	मेष	केतु व	मेष	28:56:05	सूर्य 18/01/2025
शुक्र 22/05/2028	03:50:41	मक	हर्ष व	मक	00:57:59	चन्द्र 20/05/2026
सूर्य 27/09/2028	00:09:36	मक	नेप व	धनु	28:22:23	मंगल 26/04/2027
चन्द्र 28/04/2029	06:37:40	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	01:43:24	राहु 18/09/2029

लग्न-चलित

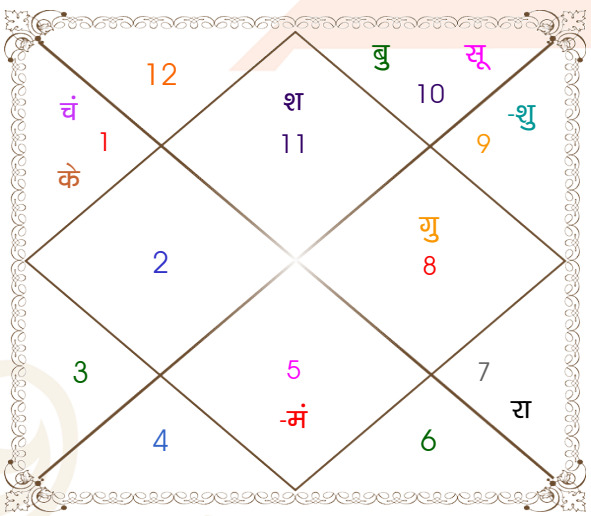

लग्न-चलित

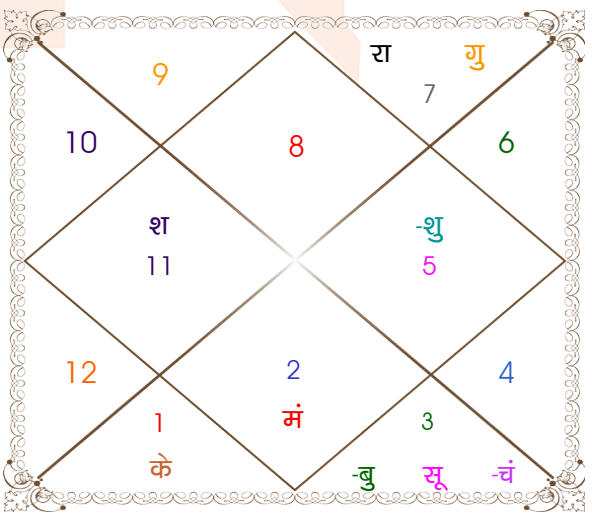

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि डेण्त्पं का नक्षत्र मृगशिरा है।

डतण्ठण् डनदकतं का वर्ग मृग है तथा डेण्त्पं का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ठण् डनदकतं और डेण्त्पं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ठण् डनदकतं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

डेण्त्पं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण्त्पं कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डतण्ठण् डनदकतं तथा डेण्त्पं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।